कृषि मशीनों, उपकरणों की मरम्मत, रखरखाव के तरीके बताए

संवाद न्यूज एजेंसी

विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित हुआ दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

अल्मोड़ा। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (वीपीकेएएस) में आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण में कृषि मशीनों और उपकरणों की मरम्मत, रख रखाव की जानकारी दी गई। फसल उत्पादन विभागाध्यक्ष डॉ. जयदीप कुमार बिष्ट ने प्रशिक्षणार्थियों से संस्थान के स्रोतों, मशीनों और वैज्ञानिक तकनीकी कर्मचारियों के अनुभवों का अधिकाधिक उपयोग अपने कौशल वर्धन में करने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण की शुरूआत में प्रशिक्षणार्थियों को यंत्रावली काम में आने वाले विभिन्न औजारों, उपकरणों, विभिन्न धातुओं की जानकारी दी गई। यंत्रावली में कार्य के दौरान पहने जाने वाले सुरक्षा कवचों और सावधानियों के बारे में बताया गया।

विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद लोग। संवाद

इसके बाद दो दिन प्रतिभागियों को हस्त चालित और विद्युत चालित औजारों, मशीनों के संचालन पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण दिया गया। चौथे दिन पोर्टेबल पॉलीहाउस को खोलने, स्थानांतरित करने, पॉलीहाउस करने और पॉलीफिल्म लगाने पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को पॉलीटैंक निर्माण के लिए तकनीकी विशेषताओं की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को हल्द्वानी और रुद्रपुर स्थित औद्योगिक इकाइयों का भ्रमण कराया गया जिससे वे कृषि यंत्रों के निर्माण संबंधी कार्य प्रणालियों को देख सकें।

आखिरी दो दिनों में संस्थान में उपलब्ध और पहाड़ी क्षेत्रों में उपयोग में होने वाली कृषि मशीनों जैसे पावर टिलर और उसके साथ लगने वाले उपकरण, वीएल मडुआ, मादिरा थ्रेशर, वीएल धान मड़ाई यंत्र, वीएल मक्का शैलर, बुवाई के यंत्रों के मरम्मत और रखरखाव पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

समापन समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कांत ने कहा कि प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा प्राप्त कौशल, अनुभवों का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि यंत्रों के मरम्मत कार्य और स्वरोजगार में करने के लिए प्रेरित किया। संचालन डॉ. श्याम नाथ और ई. हितेष बिजारणिया ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अल्मोड़ा, बागेश्वर, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल के 16 युवा किसानों ने भाग लिया।